विषय - हिंदी (द्वितीय भाषा) कक्षा - आठवीं
उपविषय - पाठ - 5 शायद यही जीवन है
लेखिका - डॉ. मीनाक्षी वर्मा

***** अभ्यास-कार्य *****		
1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें।		
1	ਬਗੀਚਾ	बगीचा
2	ਬੈਂਗਣ	बैंगन
3	ਅੰਡੇ	अंडे
4	ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ	गतिविधियाँ
5	ਸੰਬੰਧ	सम्बन्ध
6	ਮੂਲ ਮੰਤਰ	मूल मंत्र

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें।		
1	ਵਿਹੜਾ	आँगन
2	ਆਲ੍ਹਣਾ	घोंसला
3	ਚੁੰਝ	चोंच
4	ਇੰਤਜ਼ਾਰ	प्रतीक्षा
5	ਧੰਨਵਾਦ	धन्यवाद
6	ਭੋਜਨ	आहार

****

3. शब्दार्थ		
1	असमंजस	कुछ न सूझना
2	समयाभाव	समय का अभाव या कमी
3	नीड़	घोंसला
4	निहारना	प्यार से देखना
5	निश्चिंत	बिना किसी चिंता के, बेफ्रिक
6	अचेत	बेसुध , होश न होना
7	अवलम्ब	सहारा
8	आशंकित	शंका होना
9	अन्तरंग बातें	पक्षी जगत का अन्दरूनी व्यवहार

****

* एक-दो वाक्यों में प्रश्नों के उत्तर लिखें। *

प्रश्न 1 :- लेखिका ने आँगन में क्या देखा ?

उत्तर:- लेखिका ने आँगन में चिड़िया का घोंसला देखा।

प्रश्न 2 :- चिड़िया का रंग-रूप कैसा था ?

उत्तर :- चिडिय़ा का रंग जैतूनी हरा, नीचे के अंग सफेद, जंग जैसे रंग की शिखा और दुम में तन कर खड़े दो सूई की तरह नोकीले पर थे।

प्रश्न 3 :- चिड़िया के कितने बच्चे थे ?

उत्तर :- चिड़िया के चार बच्चे थे।

प्रश्न 4 :- बच्चे भोजन की माँग किस प्रकार करते थे ?

उत्तर :- बच्चे अपनी खुली चोंच ऊपर की और उठाकर और चीं- चीं करके अपना मुँह खोल कर भोजन की माँग करते थे।

प्रश्न 5 :- घोंसला नीचे मिट्टी में कैसे गिर गया ?

उत्तर :- घोंसले से जुड़े दो पत्तों में से एक पत्ते के टूट जाने के कारण दूसरे पत्ते के सहारे लटक कर नीचे मिट्टी में गिर गया।

प्रश्न 6 :- लेखिका ने घोंसले को ऊपर की टहनी पर बाँधने का निश्चय क्यों किया ?

उत्तर :- पौधों के पास छिपकर बैठी बिल्ली को देखने पर लेखिक ने घबरा कर घोंसले को ऊपर की टहनी पर बाँधने का निश्चय किया।

प्रश्न 7 :- बच्चे अपनी माँ से सम्पर्क कैसे स्थापित करते थे ?

उत्तर :- बच्चे घोंसले से मुँह बाहर निकाल कर चीं-चीं करके अपनी माँ से संपर्क स्थापित करते थे।

प्रश्न 8 :- तीन बच्चे मुक्त हो गये थे, परन्तु चौथा बच्चा क्यों नहीं मुक्त हो पाया ?

उत्तर :- तीन बच्चे मुक्त हो गए ,पर चौथा बच्चा छोटा होने के कारण मुक्त नहीं हो पाया।

प्रश्न 9 :- लेखिका चौथे बच्चे के उड़ जाने पर उदास क्यों हो गई ?

उत्तर :- चौथे बच्चे के उड़ जाने से घोंसले के खाली होने से लेखिका उदास हो गई।

प्रश्न 10 :- 'जीवन परिवर्तनशील है।' इस तथ्य के बारे में आप कोई उदाहरण लिखो।

उत्तर :- 'जीवन परिर्वतनशील होता है' हर एक मानव के अपने जीवन में सुख-दु:ख आते रहते है, सुख और दु:ख के कारण होने वाले अनुभवों से ही जीव का जीवन बदलता रहता है।

* चार- पाँच वाक्यों में प्रश्नों के उत्तर लिखें।

प्रश्न (क) - चिड़िया, घोंसला, अण्डे, बच्चे- इनके द्वारा जीवन की परिर्वतनशीलता उद्भासित होती है।क्या आपको मानव जीवन में भी ऐसी ही परिवर्तनशीलता दिखाई देती है। कोई दो उदाहरण देकर समझायें।

उत्तर :- चिडिय़ा, घोंसला, अण्डे और बच्चों की स्थिति से सचमुच जीवन की परिवर्तनशीलता प्रकट करती है। जिस प्रकार एक चिडिय़ा सबसे पहले घोंसला बनाती है, उनमें अण्डे देती है, बच्चे होते हैं और जब उसके बच्चे बड़े होकर अपना जीवन जीने के लिए घोंसला छोड़ कर आसमान में उड़ जाते हैं। मानव संसार में वयक्ति पहले घर बनाता है, घर बसाता है, बच्चे होते हैं और जब उनका विवाह हो जाता है तो वे अपना अलग एकल

परिवार बनाता है और लड़कियाँ भी पराया धन होने के कारण एक दिन अपने ससुराल चली जाती हैं।

प्रश्न :- (ख) चिड़िया के बच्चों की प्रत्येक गतिविधि पक्षी जगत् की स्वभावगत विशेषता को प्रकट करती है। किसी एक गतिविधि को ध्यान से देखकर लिखें।

उत्तर :- चिडिय़ा के बच्चों की हर एक गतिविधि पक्षी जगत् की स्वभावगत विशेषता को दर्शाती है। असहाय अवस्था में पक्षी की आँखें बन्द होती है तो वे अपनी खुली चोंच को ऊपर की ओर उठाकर अपनी माँ से खाने की माँग करते है और फिर फुर्र से आकाश में उड़ भी जाते हैं। उनकी इन्हीं क्रियाओं से तो जीवों के जीवन की स्वभावगत विशेषता होती है।

6. पर्यायवाची शब्द अथवा समानार्थक शब्द		
1	घोंसला	नीड़ ,घरौंदा
2	कतार	पंक्ति , लाइन
3	पक्षी	नभचर , खग , विहग,पंछी
4	चाह	कामना, आकांक्षा, अभिलाषा
5	फूल	प्रसून , कुसुम ,सुमन

6	शाखा	टहनी , शाख , डाल

****

7. विपरीत शब्द लिखें		
1	परिचित	अपरिचित
2	आगमन	विगमन
3	दर्शक	श्रोता
4	मुक्त	बन्दी
5	निर्माण	विध्वंस
6	धूप	छाया
7	उपलब्ध	अनुपलब्ध
8	अचेत	सचेत
9	बंधन	मुक्ति

****

8. नये शब्द बनाओ	
1	समय + अभाव = समयाभाव
2	विद्या + आलय = विद्यालय
3	कार्य + आलय = कार्यालय
4	मूल + मंत्र = मूलमंत्र
5	परिवर्तन + शील = परिवर्तनशील

****

9. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

1	सूर्य का उदय होना	सूर्योदय
2	देखने वाला	दर्शक
3	समय का अभाव	समयाभाव
4	जिसकी जानकारी हो चुकी हो	ज्ञात ,विदित
5	जिसकी जानकारी न हो	अज्ञात, अपरिचित
6	पक्षी जगत् की जानकारी रखने वाला	पक्षीविद्, पक्षी विशेषज्ञ
7	बिना पलक झपकाए	निर्निमेष , अपलक

10. मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करें।

1. फूला नहीं समाना - (बहुत प्रसन्न या खुश होना)- मोहन नयी कार मिलने पर फूला नहीं समा रहा था।

2. धावा बोलना - (आक्रमण करना, हमला करना)- बिल्ली ने चूहे पर धावा बोल दिया।

3. मन गद्गद् होना - (खुश होना) - आठवीं की वार्षिक परीक्षा में जिले में प्रथम आने पर काजल का मन गद्गद् हो गया।

4. दिल धक् से रह जाना - (दु:खी होना) - कोरोना वायरस से बेटे की मृत्यु का समाचार सुनकर माँ का दिल धक् से रह गया।

****

****

11. संज्ञा शब्दों के लिए सही विशेषण शब्द चुनकर लिखें।	
1	हरे -भरे पेड़
2	नोकिले पर
3	गोल डिब्बे
4	मेरी ननद
5	पतली रस्सी
6	चंचल चिड़िया
7	ऊँची डाली
8	रंग - बिरंगे फूल

12. काल की पहचान करके लिखें।

1. दीदी, आओ! आपको कुछ दिखाती हूँ।

उत्तर :- वर्तमान काल।

2. उन्हें अपलक देखकर फूला नहीं समा रही थी।

उत्तर :- भूतकाल।

3. यह भी एक दिन उस चिड़िया की तरह उड़ जाएगी।

उत्तर :- भविष्यकाल।

4. अनेक चिड़ियों को देखकर हम अपनी चिड़िया पहचान लेते थे।

उत्तर :- भूतकाल।

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. चिड़िया के कितने बच्चे थे ?

क) एक ख) तीन ग) चार घ) दो

उत्तर :- ग) चार ।

2. लेखिका ने किसके भय से घोंसला सबसे ऊँची डाली पर बाँध दिया था ?

क) साँप ख) बिल्ली ग) कुत्ते घ) मोर

उत्तर :- ख) बिल्ली ।

3. घोंसला शब्द का सही पर्यायवाची शब्द चुनें ?

क) इच्छा ख) सुमन ग) टहनी घ) नीड़

उत्तर :- घ) नीड़ ।

4. अवलम्ब शब्द का अर्थ है ?

क) अचेत	ख) सहारा
ग) चोंच	घ) शंका

उत्तर :- ख) सहारा ।

5. 'अचेत' शब्द का विलोम शब्द चुनें ?

क) सचेत	ख) चेत
ग) अचेतन	घ) बेसुध

उत्तर :- क) सचेत।

6. फूल शब्द का समानार्थक शब्द चुनें ?

क) पंकज	ख) शाख
ग) सुमन	घ) खग

उत्तर :- ग) सुमन ।

7. 'बिना पलक झपकाए ' वाक्यांश के लिए एक शब्द चुनें ?
क) अपलक ख) अमर ग) साकार घ) अजर
उत्तर :- क) अपलक ।

सौजन्य :- सुनीता चोपड़ा (हिंदी शिक्षिका) स.क.सी.सै.स्मार्ट स्कूल खुर्दपुर, जालंधर।
मार्गदर्शक व सहयोगी :- हरीश नागपाल ज़िला रिसोर्स पर्सन हिंदी , हिंदी शिक्षक सरकारी हाई स्कूल निज्जरां, जालंधर।